Dated 10.05.2022

प्रेस नोट

रेलटेल को दक्षिण पश्चिम रेलवे (SWR) जोन के 230 स्टेशनों पर आईपी टेलीकॉम इंफ्रास्ट्रक्चर आधारित कन्वर्ज्डकम्यूनिकेशन सिस्टमक्रियान्वित करने का कार्य सौंपा गया हैजिसका मूल्य 107.44 करोड़ रुपये है।

रेलटेल इस कम्यूनिकेशन सिस्टमको डिजाइन, प्लानिंग, सप्लाई, स्थापना, फिक्सिंग, कॉन्फ़िगरेशन, इन्टीग्रेशन और चालू करेगा।

यह अत्याधुनिक रेलवे की सभी वर्तमान और भविष्य की कनेक्टिविटी आवश्यकताओं को पूरा कर सकता है और ट्रेन परिचालन की संरक्षा और दक्षता बढ़ाने के उद्देश्य से भविष्य के सभी एप्लिकेशन्स को पूरा करेगा। -

हमें विश्वास है कि हम SWR के कन्वर्ज्ड कम्यूनिकेशन नेटवर्क कार्य को पूरा करकेउसे अन्य क्षेत्रीय रेलवे के लिए शो केस और रोल मॉडल के रूप में प्रस्तुत कर सकेंगे।श्री पुनीत चावला, अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक, रेलटेल।

*****

रेलटेल कॉर्पोरेशन ऑफ इंडिया लिमिटेड, जोरेल मंत्रालय के अधीन एक मिनी रत्न केंद्र सरकार का सार्वजनिक क्षेत्र उपक्रमहै, को भारतीय रेलवे के दक्षिण पश्चिम रेलवे (SWR) जोन के 230 स्टेशनों पर **आईपी टेलीकॉम इंफ्रास्ट्रक्चर आधारित** कन्वर्ज्डकम्यूनिकेशन सिस्टमक्रियान्वित करने का कार्य सौंपा गया हैजिसका मूल्य 107.44 करोड़ रुपये है।रेलटेल को इस परियोजना के लिए खुली निविदा बोली प्रक्रिया के माध्यम से चुना गया था। सभी पुरानी टाइम डिवीजन मल्टीप्लेक्सिंग (TDM) आधारित प्रणालियों को बदल कर आधुनिक आईपी (इंटरनेट प्रोटोकॉल) दूरसंचार अवसंरचना प्रणाली को अपनाने की दक्षिण पश्चिम रेलवे की यह पहल अपनी प्रकार की प्रथम पहल है।

आईपी टेलीफोनी उन प्रौद्योगिकियों, उत्पादों और सेवाओं के लिए एक सामान्य शब्द है जो वॉयस कॉलिंग, वॉयस मेल, वीडियो कॉलिंग, वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग, फैक्सिंग और इंस्टेंट मैसेजिंग (IM) आदिमें सहायता के लिए इंटरनेट प्रोटोकॉल के पैकेट-स्विच कनेक्शन का उपयोग करते हैं। आईपी टेलीफोनी की कार्यप्रणाली में वॉयस कॉल,फैक्स और अन्य सूचनाओं को डिजिटल सिगनल में परिवर्तित कर दिया जाताहै।ये डिजिटल सिग्नल इंटरनेट, डेटा पैकेट के रूप में आईपी पैकेट-स्विच्ड कनेक्शन का उपयोग करते हुए आईपी नेटवर्क के माध्यम से यात्रा करते हैं।आईपी प्रौद्योगिकी में वॉयस फीचर्स को - जैसे वॉयस कॉल और वॉयस मेल आदि - को 'वॉयस ओवर आईपी (VoIP)' कहा जाता है।

उक्त परियोजना में वीओआईपी आधारित ट्रेन कन्ट्रोलकम्यूनिकेशन सिस्टमऔर वीडियो निगरानी प्रणाली (VSS) की ओर माइग्रेट किया जाना शामिल है। इसके कार्यक्षेत्र में इस संचार प्रणाली के डिजाइन, प्लानिंग, सप्लाई, स्थापना, फिक्सिंग, कॉन्फ़िगरेशन, इन्टीग्रेशन और चालू किया जाना शामिल हैं। इस परियोजना को 12 माह के भीतर पूरा करने का लक्ष्य रखा गया है।

यह अत्याधुनिक आईपी इंफ्रास्ट्रक्चर रेलवे की सभी वर्तमान और भविष्य की कनेक्टिविटी आवश्यकताओं जैसे यात्री आरक्षण प्रणाली (PRS), माल परिचालन सूचना प्रणाली (FOIS), कोचिंग परिचालन सूचना प्रणाली (COIS), कॉशन आर्डर मैंनेजमेंट सिस्टम, पर्यवेक्षी कार्यालयों के लिए रेलनेट आदि और ट्रेन परिचालन की संरक्षा एवं दक्षता वर्धन के उद्देश्य संबंधी सभी भावी एप्लिकेशन्स को पूरा कर सकता है।

रेलटेल के सीएमडी, श्री पुनीत चावला ने कहा, "यह परियोजना रेलटेल की विशेषज्ञता के महत्व के काफी करीब है और **हमें विश्वास है कि हम** SWR **के कन्वर्ज्ड कम्यूनिकेशन नेटवर्क कार्य को पूरा करकेउसे अन्य क्षेत्रीय रेलवे के लिए शो केस और रोल मॉडल के रूप में प्रस्तुत कर सकेंगे।** चूंकि रेलटेल राष्ट्रीय आईपी-एमपीएलएस (इंटरनेट प्रोटोकॉल-मल्टी प्रोटोकॉल लेबल स्विचिंग) बैकबोन को मेन्टेन करता है अतः , राष्ट्रीय आईपी-एमपीएलएस नेटवर्क के साथ एसडब्ल्यूआर नेटवर्क का एकीकरण सुचारू रूप से हो सकेगा"।

रेलटेल के बारे में:

रेलटेल, रेल मंत्रालय के अधीन एक "मिनी रत्न (श्रेणी- I)" केंद्रीय सार्वजनिक क्षेत्र का उद्यम है, जो देश के सबसे बड़े तटस्थ दूरसंचार अवसंरचना प्रदाताओं में से एक है, जिसके पास देश के कई कस्बों, शहरों और ग्रामीण क्षेत्रों को कॅवर करने वाला एक अखिल भारतीय ऑप्टिक फाइबर नेटवर्क है। ऑप्टिक फाइबर के 61000 से अधिक मार्गकिलोमीटर के एक मजबूत विश्वसनीय नेटवर्क के साथ, रेलटेल के पास दो इलैक्ट्रॉनिक एवं सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय (MeitY) के पैनल वाले टियर III डेटा सेंटर भी हैं। अपने अखिल भारतीय उच्च क्षमता नेटवर्क के साथ, रेलटेल विभिन्न फ्रंटों पर एक नॉलेज़ सोसाइटी बनाने की दिशा में कार्य कर रहा है और इसे दूरसंचार क्षेत्र में भारत सरकार के लिए विभिन्न मिशन-मोड परियोजनाओं के कार्यान्वयन के लिए चुना गया है। रेलटेल एमपीएलएस-वीपीएन, टेलीप्रेजेंस, लीज्ड लाइन, टॉवर को-लोकेशन, डाटा सेंटर सेवाएं आदि जैसी सेवाओं का एक समूह उपलब्ध कराता है। रेलटेल देश भर में रेलवे स्टेशनों पर सार्वजनिक वाई-फाई उपलब्ध कराकर रेलवे स्टेशनों को डिजिटल हब में बदलने के लिए भारतीय रेलवे के साथ भी कार्य कर रहा है और रेलटेल के रेलवॉयर वाई-फाई से कुल 6100 स्टेशन लाइव हैं।

अधिक जानकारी के लिए,
sucharita@railtelindia.com